vinetur

राइनलैंड-पफाल्ट्स में असामान्य रूप से जल्दी शुरू हुई रिस्लिंग की फसल मध्य सप्ताह तक पूरी होने की उम्मीद

शुष्क मौसम ने रोग दबाव कम रखा, लेकिन पानी की उपलब्धता में तीखे अंतर ने एक दाखबारी से दूसरी तक पकाव असमान छोड़ दिया।

मंगलवार, 22 सितंबर 2026



राइनलैंड-पफाल्ट्स में रिस्लिंग अंगूर की फसल अब अंतिम चरण में है, और उत्पादकों को उम्मीद है कि वे मध्य सप्ताह तक तुड़ाई पूरी कर लेंगे ; यह मौसम असामान्य रूप से जल्दी शुरू हुआ था और इसमें शुष्क मौसम तथा दाखबाड़ियों में असमान पकाव देखने को मिला।

राइनलैंड-पफाल्ट्स साउथ के किसान और वाइनउत्पादक संघ की एक प्रवक्ता ने कहा कि इस साल शुष्क परिस्थितियों की वजह से अंगूर बहुत स्वस्थ स्थिति में हैं। इससे जर्मनी के प्रमुख वाइन-राज्य में एक मजबूत रिस्लिंग विंटेज की उम्मीद बढ़ी है। हाल के दिनों में कटाई करने वाले श्रमिक ब्रेम्म में कैलमोंट सहित कई जगहों पर सक्रिय थे, जो मोज़ेल पर स्थित

एक खड़ी दाखबारी ढलान है और क्षेत्र की सबसे प्रसिद्ध तथा हाथ से तुड़ाई के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण जगहों में से एक है।

रिस्लिंग को जर्मन वाइन-उत्पादन की प्रमुख किस्म के रूप में व्यापक रूप से देखा जाता है, और हर साल इसके प्रदर्शन पर उत्पादकों और वाइन खरीदारों की कड़ी नजर रहती है। यह अंगूर ताज़ी, फल-प्रधान सफेद वाइन बनाने में इस्तेमाल होता है और जिस जगह यह उगा, उसकी पहचान दिखाने की क्षमता के लिए मूल्यवान माना जाता है। इसका व्यापक व्यावसायिक महत्व भी है, क्योंकि यह उच्च-गुणवत्ता वाली स्टिल वाइन से लेकर मीठी वाइन और स्प्रिट्ज़र तक के रूपों में दिखाई देता है।

जर्मन वाइन संस्थान ने कहा कि इस साल की वाइन फसल अब तक की सबसे जल्दी शुरू हुई। फिर भी, मौसम समान रूप से आगे नहीं बढ़ा है। संस्थान के अनुसार, विभिन्न स्थलों पर पानी की आपूर्ति में तीखे अंतर के कारण दाखबाड़ियों में पकाव में बड़े फर्क दिखे हैं। जहाँ सूखा विशेष रूप से गंभीर रहा, वहाँ पकने की प्रक्रिया धीमी पड़ गई। इसका मतलब है कि कुछ दाखबाड़ियों को अंगूर तोड़ने लायक होने में अधिक समय लगा।

यह अंतर जर्मनी में उत्पादकों के लिए बढ़ती चुनौती को दर्शाता है, क्योंकि गर्म और शुष्क दौर फसल को आकार देने में अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। बारिश की कमी से रोग दबाव कम रहा और कई रिस्लिंग अंगूर स्वस्थ बने रहे, लेकिन कमजोर जल-भंडार वाली दाखबाड़ियों में इसने तनाव भी पैदा किया। व्यावहारिक रूप से इसका मतलब यह हुआ कि उत्पादक एक ही समय-सारिणी पर सभी स्थलों की तुड़ाई नहीं कर सके, यहां तक कि एक ही क्षेत्र के भीतर भी।

मौसम का यह पैटर्न न केवल सफेद अंगूरों, बल्कि कई लाल और गर्म जलवायु वाली किस्मों के लिए भी अनुकूल दिखा। जर्मन वाइन संस्थान ने कहा कि शुष्क, गर्म गर्मी और तेज धूप विशेष रूप से Spätburgunder जैसे लाल अंगूरों के लिए लाभकारी रही, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर Pinot Noir के नाम से जाना जाता है। उसने यह भी कहा कि Merlot, Cabernet Sauvignon और Syrah जैसी दक्षिणी किस्मों को भी इस मौसम से लाभ हुआ, जो जर्मनी में अब अधिक दिखाई दे रही हैं।

वाइन व्यापार के लिए रिस्लिंग फसल का नतीजा दाखबारी से बाहर भी मायने रखता है। क्योंकि रिस्लिंग अब भी सबसे प्रसिद्ध जर्मन अंगूर और कई वाइनरी के लिए एक केंद्रीय उत्पाद है, इसलिए इस साल की फसल की गुणवत्ता और अंततः मात्रा घरेलू बाजार के साथ-साथ निर्यात बिक्री में भी आपूर्ति संबंधी फैसलों, कीमतों और उत्पादन योजना को प्रभावित कर सकती है। यह खास तौर पर राइनलैंड-पफाल्ट्स के उत्पादकों के लिए प्रासंगिक है, जो जर्मनी के वाइन उत्पादन और रिस्लिंग उत्पादक के रूप में विदेशों में उसकी छवि में केंद्रीय भूमिका निभाता है।

उत्पादकों के मौजूदा आकलन के अनुसार गुणवत्ता को लेकर रुख सकारात्मक है, भले ही इस मौसम में कुछ दाखबाड़ियों में धैर्य की जरूरत पड़ी हो। स्वस्थ फलों और कटाई के दौरान सही समय चुनने के मेल से तैयार वाइनों में ताजगी और स्थल-चरित्र को पकड़ने में उत्पादकों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। तुड़ाई अब लगभग पूरी होने के साथ, वाइनरी जल्द ही फसल-लॉजिस्टिक्स से सेलर काम की ओर मुड़ेंगी, जहाँ अंगूरों का वादा टैंकों और बैरल में परखा जाना शुरू होगा।